

सुतिष्ठेत् ॥ १ ॥
 ताम्रं वनं ॥ २ ॥
 तम्रं वनं ॥ ३ ॥
 तम्रं वनं ॥ ४ ॥
 तम्रं वनं ॥ ५ ॥
 तम्रं वनं ॥ ६ ॥
 तम्रं वनं ॥ ७ ॥
 तम्रं वनं ॥ ८ ॥
 तम्रं वनं ॥ ९ ॥
 तम्रं वनं ॥ १० ॥
 तम्रं वनं ॥ ११ ॥
 तम्रं वनं ॥ १२ ॥
 तम्रं वनं ॥ १३ ॥
 तम्रं वनं ॥ १४ ॥
 तम्रं वनं ॥ १५ ॥
 तम्रं वनं ॥ १६ ॥
 तम्रं वनं ॥ १७ ॥
 तम्रं वनं ॥ १८ ॥
 तम्रं वनं ॥ १९ ॥
 तम्रं वनं ॥ २० ॥
 तम्रं वनं ॥ २१ ॥
 तम्रं वनं ॥ २२ ॥
 तम्रं वनं ॥ २३ ॥
 तम्रं वनं ॥ २४ ॥
 तम्रं वनं ॥ २५ ॥
 तम्रं वनं ॥ २६ ॥
 तम्रं वनं ॥ २७ ॥
 तम्रं वनं ॥ २८ ॥
 तम्रं वनं ॥ २९ ॥
 तम्रं वनं ॥ ३० ॥

१५२ सुवर्णं लुप्तं रविवाहिके
 लुप्तं रविवाहिके

॥ लोकाहाम ॥ ॐ ह्रीं
 याव क न्या न इ य म लु
 र्य म ल ॥ ॐ क न्या ज क्रिय
 स ॥ स न्ना म र्य मा दे व ॥ ॐ
 उ मा य त स्त्रा हा ॥ ॐ य इ म
 य षा य क म नु ॥ ॐ द क्रि
 मा स ध उ या र क म लु ॥ ॐ
 स्वा न धि न ग्वा ॥ ॐ क ल षा
 न ॥ ॐ ह्रि म ॥ ॐ य र्य व ह
 ॐ न ह्रि न्ना स ह ॥ य न ॥ य
 ॐ या दा ॥ ॐ य र्य य स ह ॥ ॐ
 वि न ॐ नि नि न लो या ॥ ॐ
 नि का ना मा सि ॥ ॐ क लि स
 ल हा सा न द्वा य ॥ ॐ त व वा य
 ॥ य न ॥ लो का हा म म नु ॥
 ॐ ह्रि य न र्य य वृ त ॥ लो का ना
 व य क्रि का ॥ ॐ य ष्मा न सु म य
 ति न ध तां हा त या म स स्त्रा हा ॥
 ला य य क न द्वा य ॥ ॐ
 ॥ य न ॥ लो का हा म म नु ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

ॐ उदयं तमम् ॥ ॥
यद्गुर्विस्तर्जनं ॥
उक्ता लखनं थं कादि क
जलि ॥ ॥ विथ ॥ य न्दना
भा वी द ॥ कलश काय ॥ ॥
मी मि सार्थ कादि काय ॥ ॥
च द ॥ हा कि थय ॥ को मा
य ॥ ला व रि ता वि न क ॥ मि श्र
ता काय ॥ थ द्वा ता वि च क न
क म ग व ॥ थ द्वा क द्वा द ए ल
रा या य ॥ स ला व द्वा स म य
य न थि य क ॥ ॥ ति स व र्ण क म
न वि वा हा स र्ण ॥ ॥
॥ ला व रि ता वि न क या ॥ ॥
ग क न श य ति र्वा ॥ ॥ मे नी ल
झी स न स व ता ॥ ग ल ॥ ॥ क न्दान
दा व म् न थ व स नि र्म ना ॥ ॥ ला
क या ला श्व ना ग म् थ स र्ण सा भा
वि ज्ञा य हा ॥ ॥ द द थ हा त वा ॥
ति र्म वा ग म् थ दि गा श्व ना ॥ ॥ व
वा वा वि ष्णु वा वा न्द वा वा त

ॐ मित्रं तमम् ॥ ॥
गो व था मि व ॥ ना म स र्ण
मे र्ण वा लि ना व ल थ हा
॥ ॥ इ व था न ति या ति ॥ या व र्ण
॥ ॥ मे दि नी ॥ या व ह्ना क मे र्ण
॥ ॥ स ग थ न व ना भ न मि र्ण व
॥ ॥ य ना क ता तथा ॥ ॥ य ति य व र्ण
॥ ॥ या व र्ण व दि वा क न ॥
ला व क य या ॥ ॥ क ॥
स व र्ण क मा न या क्ता न ॥ ॥ व र्ण
वो क्ता वि श्व ला क्ता रु म व र्ण कि नी
॥ ॥ वि वा ह रु ले न्थ व र्ण क मा
॥ ॥ य न स दा ॥ ॥ क मा न रु म
नू थार्य य ति र्ण क्ता य वि षि
वि वा ह रु ल भ न यी स र्ण नू वा
य वे न म ॥ ॥ ॥
जि ग्म क्ता ता मा सी उ र्ण हा रु
॥ ॥ मि व कि सि ग र्ण र्ण व सि क
व क स र्ण थ ग स र्ण व वि नि
व या त ॥ ॥ म् ला मा स व वा
क हा ॥ ॥ ल य न र्ण नी द्वा ॥ ॥
ग र्ण व य क म् ला नि स र्ण व वि द ग म

मिथ, ना, क, आ, क, क, व
कै, क, रु, न, उ, मि, व, कि, सि, व, ह
क, सु, न, आ, वा, ल, चि, वा, क, मि
सि, म, ध, श, सि, उ, र, य, सि, डा,
य, ता, य, अ, क, त, ॥ **म, न, व, य, न**
म, र, स, नि, स, स, धी, व, मि, द, धा, म
म, ॥ ध, म, स, धा, न, न, ॥ श, त, व, ॥
ग, ह, न, ॥ आ, द, क, न, ग, उ, ॥ अ, व,
न, क, नी, म, द, न, सु, थ, ॥ आ, ति, म,
ता, नि, म, त्सा, नि, र, व, य, सि, व, ला,
म, त, सि, वे, क, क, न, सि, व, ल, सि,
ध, नि, का, थ, सि, द, व, द, न, सि, अ,
य, मा, र्ज, सि, क, न, धी, न, सि, दा, ल,
वि, न, सि, अ, ल, क, वा, त, सि, वा, ल,
सि, अ, ग, व, क, सि, आ, स, न, सि, गी, ल,
न, सि, ध, न, अ, क, द, श, स, मि, थ,
या, उ, न, स, मि, थ, न, द, य, के, न,
ता, ज्ञा, का, का, य, ॥

~~म, र, स, नि, स, स, धी, व, मि, द, धा, म~~ ॥ २

नू, व, स्त्री, सि, ॥ अ, नु, न, सि, ॥ ३

न, मा, व, क, ल, ॥ अ, नु, आ, व, य,
म, ल, न, वि, ज्ञ, त, ॥ स, म, व, ॥
न, वा, त, स, म, ग, ॥ स, त, य,
स, म, य, लु, वा, त, ॥ स, व, ॥
म, ति, वा, ह, ॥ आ, या, य, मा, ॥
म, य, स, म, दि, वि, ग, वा, ॥ स,
म, नि, वि, ॥ आ, या, य, स, म, दि, न,
म, स, म, वि, ॥ वि, न, ॥ अ, ॥ ल, वा,
न, ॥ स, य, ॥ स, म, ॥ स, र, वा, ॥
न, ॥ स, म, ॥ म, य, म, य, न, म, वि, त्सा,
न, ॥ अ, ॥ ल, वा, ॥ का, म, य, नि, ना,
न, ॥ अ, ॥ नि, न, स, म, वि, ॥ स,
न, ॥ य, ॥ य, थ, क, ॥ अ, ॥ का, म, य,
मि, न, ॥ अ, ॥ मि, ॥ वि, य, ॥ म, स,
म, ॥ त, स, ॥ र, वा, ॥ स, ॥ स, ॥
का, वि, न, र, ति, ॥ य, य, ॥ वि, वा, य,
य, ॥ अ, व, ॥ अ, य, ॥ दि, वा, न, वि, न,
य, ॥ अ, ॥ व, य, ॥ स, व, ती, ॥ अ, ॥ दि, ॥ स,
म, ॥ म, ॥ अ, व, ॥ स, वा, स, वि, ॥ अ, ॥ य, ॥
मि, ॥ म, ॥ अ, ॥ वा, ॥ ह, ॥ स, ॥
अ, ॥ म, ॥ अ, ॥ न, ॥ न, ॥ स, ॥

मिर्दं धातुं नृ॥ गीतं
मातुं धामिर्दं धातुं नृ॥
काममि नृ नय, नृ नृ द
नागमत् ॥ अज्ञातय किं युक्त
दुदयं मम धूयत। विदुः
व द्वा काम, वलज्ञातय द्वा
य॥ मां ध्व नृ नृ युक्त ध्व नृ नृ
न न मम त्वत व। वि नृ ला नृ
ला हेतुग व, कृषु व नृ नृ मातु
नृ ॥ अस्मान् यय निह नृ ॥ अस्मान्
स म ल ह्या नृ यय धा ॥ अ नृ नृ
नृ द्वा नृ व नृ नृ ल ह्या म हि वि ॥ अ नृ
ल ह्या नृ नि धनं यानि, नृ य ल ह्या
नृ नृ नृ सा। कयि ल नृ नृ सर्व नृ
वा नृ यय के देवता ॥ व नृ नृ नृ
य हृ ॥ मम यय नृ नृ नृ नृ सा। याव
वा दि ल ह्या य ति या व नृ नृ नृ ति व
नुमा ॥ याव द्वा नृ यय वह ति, ताव
नृ व ल ह्या स ह। यन क नृ य का
नृ नृ माह ना कान नृ ति व ति ॥ यय
या मय का नृ नृ, यय नृ ति स नृ

अनृ स ह नृ ह स न, द्वा नृ
नृ नृ यय वि वी ल ह नृ म क क
द नृ नृ ॥ नृ नृ यय धा स क ल नृ
नृ ल नृ नृ नृ नृ यय ल व स नृ
नृ यय मा ला। यय नृ यय यय
नृ नि हि ॥ यय स नृ, लो क नृ म हि
नृ नृ कि यय नृ नृ मा मि ॥ स नृ ॥
नृ : नृ कय सा द य नृ म, स नृ नृ
को नृ नृ ॥ स नृ नृ नृ ॥ स नृ नृ यय
नृ नृ वा नृ नृ नृ काम यय द। वा
नृ ॥ स नृ व नृ द नृ वा नृ व व नृ वा
नृ दि व नृ नृ नृ ॥ यय नृ ॥
वि ना नृ क नृ ल य हा, म नृ
यय हि मा ॥ अ दि ल ॥ अ नृ म नृ
नृ व नृ नृ नृ ॥ अ नृ नृ नृ
नृ नृ क नृ यय द नृ वि धान क
यि नृ नृ ॥ अ नृ नृ नृ नृ नृ
नृ नृ यय नृ नृ क नृ स नृ ल नृ
नृ ल व नृ वि य ना, नृ ल नृ स नृ
व य हा नृ नृ ल नृ ल यय स नृ
नृ दि ता ॥ यय नृ ॥ अ नृ नृ

कया नादशनिग व भित्तु दि
 भुतु यदनां शानि हर्तु
 वि हर्तु ॥ ददादर्थ तु न
 नयतु वरु धासस्यस वरु
 की नायाः सनु गमथा नय
 यलम ॥ १० यातु ना गान
 द । सूर्यनी रावू यती क
 वतिङना ज्ञातिधावा तिरु न
 को नां ल कि लो वा लो न
 से सदा ल कि नया नि वा सु
 लो डा सु वि य ति शा शा रुय ज्म
 कम ल द व स्य ख र्म सि डि न
 तु य रु मान स्य ज्म कय रु
 नि मि त्या र्थ न यथा शान्ता कुरु
 लदा चि ना ल व लु य रु मा ना ना
 अचल सि द्ध न म सु सगल स्य नि
 वा ना ली जा यु ना ना ल मे श्व र्य
 रु न धे न ल श्री स क ति स ल्ता
 न वृ द्धि न सु ॥ ११ ना ग्मा ह न म्मा
 सि दि सं वा इ नि त ल य रु ना श्व
 उ सूर्या दि दे वा था नि न्या सर्व

यथा ह्येते न ॥ अथादि
 व जिव कर्त्तु ॥ यथा वा नि
 क्त्वा न कर्त्तु ॥ दास्यते
 सूर्यार्थ ॥ अथादि ॥ यत्
 न स्य अस्म कस्य अस्म क का
 ना ना नी क यथा निमि
 सा र्थ न ॥ १० ॥ ना कू वू ॥ ११ ॥ न
 म स्तान ॥ न्याह ॥ अर्थ या उ
 यत् ॥ अथादि ॥ तत्ता द्वा
 ना र्थ ॥ १२ ॥ तत्ता द्वा
 १३ ॥ १४ ॥ सथा ता य न म ॥ १५ ॥
 सथा ता वा मि मी त व इ म
 नि द्वा ना म ह व ल्य आ म
 १६ ॥ अथादि ॥ १७ ॥ यथादि ॥ तस्य
 वा वि स्वा हा कृत् ० ह विने
 द नु द वा ॥ वा म द वा य न
 म ॥ १८ ॥ वा म द वा य न
 म ॥ १९ ॥ दि वे दि वे वा म म ह
 त्य ० सा वि १ वा म स्य हि के य
 स्य द व ह न न या धि वा म
 ता उ १ स्या म ॥ ॥ अथादि

य नमः॥ ॐ वा ते नृद
 त नृ नद्या ना वा व को
 त या न ह्य ना न नमः
 निज ना हि वा क जी हि ॥
 त ह्य नृ वा य नमः॥ ॐ अ
 नृ व द ५० क ति ५ अ
 ल्य य नृ । मृ व कि म ह्य ह्य
 म्वा दू कि म नृ या दा उ अ न
 ॥ ॥ श्री ग न्ना य नमः॥ ॐ
 त मी ग न ५ ग त ह्य ह्य व ह्य
 त न्नि म कि न म ह दू म ह
 व य । दू वा ना य थ व द सा
 म स ४ व ८ ध न कि ता वा य न
 द द ० ह ह्य थ ॥ आ वा ह ना दि
 ॥ ॐ ग ता न मि ह्य ह्य दि १० ॥ ॐ
 आ कृ ष १० ॥ ॐ अ ह्य ह्य वा ८
 ॥ ॐ अ र्द्ध मा ह्य ह्य दि ॥ ॐ द धि
 का ५ ॥ स ग न ॥ ॥ व लि ॥
 ॐ ग ल न्नी ह्य ॥ ॐ ग ता व द ॥
 ॐ अ मा नृ दा ॥ ॐ द तै द त
 या वा ॥ ॐ न मी व द सा य ॥ ॐ

निवृत्तं ॥ अथ गन्धर्व

॥ ५ ॥ अथ सान्निध्यं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

न हस्तिक शय ॥ वृत्त न॥
वति मूर्ति स्थान दमास
म॥ हस्तार्थ ॥ वन्दन॥
शायवित ॥ वृत्त ॥ दक्षिण
मूर्ति मन्त्रादि ॥ ध्यानादिसंवा
ता न हस्तार्थ ॥ ॐ शो ॥ मन्त्रि ॥ व
ॐ वायु ॥ इ मित के जा दि
न स मस्तु ह्यय ॥ पूजा शाय
वापित का ॥ यज्ञमान अतिथि
क ॥ वन्दनादि आशीर्वाद ॥ ॐ
या तस्या नवाति तय माल ॥
अक विमर्क ॥ ॥ हस्त ॥
ॐ वा ॥ रुत नी ॥ आनति ॥ ॐ न
ज्ञा सि शु कु म सि ॥ पु ति म् ॥
ॐ म न्ना कू ति ॥ मि नि नी सम
य विमर्क ॥ ॥ पु न्ना य ति ॥ ॐ
य ॥ ॐ अ ह न मि ॥ ॥ पूर्व व

यति वि
तम

ॐ सर्व या व ध्या द क
आलन माल का व स
यज्ञ मान न य ध्या लो
ज द्या दि ॥ यज्ञ मान म
काद ॥ ॐ अ द्या दि ॥ ह व
कू मान वि वा हा द श अ ल
द क र द श अ द य वा द क य ज
नि मि ह्यार्थ ॥ सि दि न म् ॥ य
ध्या नान् ॥ ह्म य य या व क ॥
ॐ अ द्या दि ॥ वि श्व दे व वे श्व न
न दे व ॥ ॐ मा ह यि ता म ही
यि ता म ही यि त न ॥ यि ता म ह
यु यि ता म ह मा ता म ह यु मा ता
म ह व द यु मा ता म ह ह्य ॥ न
न य त ॥ द न्म ये वि बू ध स
दा नि वा य आ उ न मा ह का
ॐ द्या न व द न ह्य ॥ द मा स
न व दि ॥ य वी व दि ॥ सि दि सि
आ वा य आ दि न पूजा वा नि इ
मा ह आ स न न वि श्व वा दि या
वा र्य व दि ॥ न य ज्ञी न ह्य न क

न्यास॥ वृक्षलनमः॥ वि
२॥ रुद्राय २॥ सुदागि वा
मः॥ वन्दनमर्हेश्वर न
तर्थाय नमः॥ रुद्रमूर्त्तौ द
क्षिण॥ रुद्रमूर्त्तौ ॥ ॐ नमो
वन्दन॥ पूनः॥ वृक्षलनल
खर्चन॥ आत्मनसि कृत्यत् ॥
तिलकनिकषय॥ पूर्यव॥ अस
नन॥ नातुका वलितिन॥ ॐ
सकवा धा दक्ष॥ नयार्थे नमः॥
नवाधनाय २॥ वृक्षनीकाकाय
२॥ ॐ अयविरुयविशवा॥ ॐ
वृक्षमिक्षकली॥ ॐ नमो देवा॥
ॐ कृतव २॥ ॐ दक्षाय २॥ ॐ
लोनीय द्या॥ नमो धा॥ सावित्री
विरुया रुया॥ देवसनास्रधाला
हा॥ मातृनालाकमातनः॥ रुद्रि
क्षिणधालुक्षि॥ आत्यदेवतयास
ह॥ नन्दनन्दनिवासः॥ वसुधव
वृक्षार्थे वः॥ रुद्रमूर्त्तिविरुया॥ नमो
रुद्रमूर्त्तेशायनमः॥ सारदादेव्यै नमः॥ गुरवे नमः॥

सर्वेता नमो ह्युक्तो॥ अरु
दादि॥ वृक्षलनन॥ धृत्वा
नली॥ ॐ अद्यादि॥ ॐ वृक्ष
या॥ विष्णुदेव आवाहनं ॐ
मासवर्बली धृत्वा विष्णुदेव
आगतः॥ दास्य ० सादाशु वः॥ स
तं॥ नृत्वावाहनं॥ ॐ सहस्रगोपी
॥ यज्ञवृक्ष॥ मातृ आवाहनं॥ ॐ
देवि वृक्ष॥ ॐ विष्णुर्लोकं॥ ॐ त
विष्णोसा विवन्तवाजा गृवा
सः॥ समिन्धन॥ विष्णुर्लोकं नमो
वर्त॥ नृत्वावाहनं॥ विष्णुदेव
दिनववादेकहसार्थवृद्धि॥
यतिर्लोकं वृद्धि॥ सर्ववन्दनय
ज्ञायवीव॥ पूर्य॥ धूप॥ दीप॥ अ
रुगन्धदि॥ अन्नसकल्य॥ म
ल्लदयक॥ लानकावावाय॥
ॐ मधुवाता॥ ॐ अद्यादि॥ वि
ष्णुदेवादिर्जन॥ ॐ देवसवि
तः॥ सुसु॥ पूर्य॥ अन्नसकल्य
वृक्षमूर्त्तिविरुया॥ नमो गुरुवे
ननः॥ केतपू॥ रुद्रमूर्त्तिविरुया॥

[illegible]

लाये २॥ ॐ वक्राय २॥
 माह्वये २॥ ॐ क्रोमाये
 वेवूये २॥ ॐ वानाये २॥
 ज्ञानाय २॥ ॐ वामु २॥
 २॥ ॐ महालये २॥ का ॥
 लयतय नमः ॥ ॐ हलम्या
 २॥ ॐ विद्युनाजाय २॥ ॐ नि
 यकाय २॥ ॐ लभादनाय २॥
 ॐ उनय ॥ गविद्युज्वाय २॥
 ॥ ग ॥ ॐ गल यतय २॥ ॐ पुन
 र्वा २॥ ॐ वनूलनागनाक्षय २॥
 ॥ ॐ वहिद्वाना २॥ ॥ ॐ
 गमाहक २॥ ॥ ॐ लेनी
 यद्वा ॥ गवी ॥ ॥ ॐ
 लादियै च तम माहक २॥ अर्थ
 वृद्धि ॥ आद्युदेयक वृद्धि ॥ अर्थ
 वादक अर्थ वृद्धि ॥ अर्थ सर्व
 अर्थ कृत्वा ॥ चन्दनय ज्ञायवी
 त ॥ वृद्ध ॥ ध्वय, दीय, रुलतामू
 ल, नेव आदि, ॥ दह्युता व

